पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में 72वीं 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारम्भ किया, इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्मिलित हुए

72वीं 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' में एकत्रित हुईं 28 राज्यों की टीमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का सुन्दर चित्र प्रस्तुत करतीं : प्रधानमंत्री

विगत एक दशक में खेलों के प्रति सरकार और समाज दोनों की सोच में बदलाव आया, सरकार ने खेल बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की

भारत ने 20 से अधिक प्रमुख अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की, जिनमें फीफा अण्डर–17 विश्व कप, हॉकी विश्व कप और प्रमुख शतरंज टूर्नामेंट शामिल

'खेलो इण्डिया' अभियान के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ

सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के माध्यम से वाराणसी का देश के खेल नक्शे पर स्थान बनाना शहर के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण

खेल जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम, विगत 11 वर्षों में प्रत्येक भारतवासी ने देश में नई खेल संस्कृति को पनपते हुए देखा : मुख्यमंत्री

'खेलो इण्डिया', 'फिट इण्डिया मूवमेन्ट', 'सांसद खेल–कूद प्रतियोगिता' तथा प्रत्येक जनपद में बनने वाले खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से देश नई खेल संस्कृति का अनुभव कर रहा

प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2014 में 'खेलो इण्डिया' के माध्यम से प्रत्येक भारतवासी के मन में खेल के प्रति सम्मान का भाव पैदा किया

उ0प्र0 सरकार और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया के बीच एम0ओ0यू0 सम्पन्न हुआ

डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम में विकसित अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रधानमंत्री जी के विज़न का परिणाम

एस0ए0आई0 के सान्निध्य तथा प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण तथा नया प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया जाएगा

राज्य सरकार द्वारा खेल का मैदान, स्टेडियम, मिनी स्टेडियम, ओपन जिम के निर्माण सहित खेल–कूद से जुड़ी अनेक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा

लखनऊ : 04 जनवरी, 2026

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा, वाराणसी में आयोजित 72वीं 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सम्मिलित हुए।

प्रधानमंत्री जी ने आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करते हुए कहा कि उन्हें वाराणसी से सांसद होने के नाते सभी खिलाड़ियों का स्वागत और अभिनन्दन करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। देश के 28 राज्यों की टीमें 72वें 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' में एकत्रित हुई हैं, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का सुन्दर चित्र प्रस्तुत करती हैं। खिलाड़ी अथक परिश्रम के बाद इस राष्ट्रीय टूर्नामेन्ट तक पहुंचे हैं। आने वाले दिनों में वाराणसी के मैदान पर उनके परिश्रम की परीक्षा होगी।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि वॉलीबॉल कोई साधारण खेल नहीं, बल्कि सन्तुलन और सहयोग का खेल है, जहां गेंद को हमेशा हवा में रखने के प्रयास में दृढ़ संकल्प की झलक दिखती है। वॉलीबॉल खिलाड़ियों को टीम भावना से जोड़ता है, जहां प्रत्येक खिलाड़ी 'टीम पहले' के मंत्र से प्रेरित होता है। भले ही प्रत्येक खिलाड़ी के पास अलग–अलग कौशल हों, लेकिन सभी अपनी टीम की जीत के लिए खेलते हैं। उन्होंने भारत के विकास की कहानी और वॉलीबॉल के बीच समानताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह खेल हमें सिखाता है कि कोई भी जीत अकेले प्राप्त नहीं होती, बल्कि जीत समन्वय, विश्वास और टीम की तैयारी पर निर्भर करती है। सफलता तभी मिलती है, जब प्रत्येक खिलाड़ी गम्भीरता से अपनी जिम्मेदारी निभाता है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि स्वच्छता से लेकर डिजिटल भुगतान तक, 'एक पेड़ माँ के नाम' से लेकर विकसित भारत अभियान तक, प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक वर्ग और प्रत्येक प्रान्त की सामूहिक चेतना और 'भारत पहले' की भावना के साथ काम करते हुए देश प्रगति कर रहा है। आज पूरी दुनिया भारत के विकास और अर्थव्यवस्था की सराहना कर रही है। यह प्रगति केवल आर्थिक मोर्चे तक ही सीमित नहीं, बल्कि खेल जगत में दिख रहे आत्मविश्वास में भी झलकती है। हाल के वर्षों में, वर्ष 2014 से विभिन्न खेलों में भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। मुझे जेन–जेड खिलाड़ियों को मैदान पर तिरंगा फहराते देखकर गर्व की अनुभूति होती है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि पूर्व की सरकार और समाज में खेलों के प्रति उदासीनता के कारण खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी रहती थी, जिससे बहुत कम युवा खेलों को अपना करियर बनाते थे। विगत एक दशक में खेलों के प्रति सरकार और समाज दोनों की सोच में बदलाव आया है। सरकार ने खेल के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की है। आज भारत का खेल मॉडल 'खिलाड़ी–केन्द्रित' हो गया है, जिसमें प्रतिभा की पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, पोषण और पारदर्शी चयन पर ध्यान

केन्द्रित किया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि खिलाड़ियों के हितों को प्रत्येक स्तर पर प्राथमिकता दी जाए।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि आज देश में प्रत्येक क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है और खेल भी उनमें से एक है। सरकार ने खेल के क्षेत्र में कई बड़े सुधार किए हैं, जिनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम और खेलो भारत नीति–2025 शामिल हैं। इनसे प्रतिभाओं को अवसर मिलेंगे और खेल संगठनों में पारदर्शिता बढ़ेगी। इससे युवाओं को खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में एक साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। 'टॉप्स' (टॉरगेट ओलम्पिक पोडियम स्कीम) जैसी पहल भारत में खेल जगत को बदल रही हैं। इसमें मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने, वित्तपोषण तंत्र विकसित करने और युवा खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि विगत एक दशक में भारत ने अपने कई शहरों में 20 से अधिक प्रमुख अन्तरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की है, जिनमें फीफा अण्डर–17 विश्व कप, हॉकी विश्व कप और प्रमुख शतरंज टूर्नामेंट शामिल हैं। वर्ष 2030 के राष्ट्रमण्डल खेल भारत में आयोजित किए जाएंगे। देश वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रयासरत है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करने के बेहतर अवसर प्रदान करना है। विद्यालय स्तर पर भी युवा खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों से परिचित कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि 'खेलो इण्डिया' अभियान के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। कुछ दिन पूर्व 'सांसद खेल महोत्सव' का समापन हुआ, जिसमें लगभग एक करोड़ युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 'सांसद खेल महोत्सव' के दौरान वाराणसी के लगभग तीन लाख युवाओं ने मैदान पर अपनी ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया। वाराणसी में आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित की जा रहीं हैं। खेलों के लिए स्टेडियम बनाये जा रहे हैं। सिगरा स्थित स्टेडियम कई आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यह खेल परिसर प्रदेशवासियों सहित आस–पास के जिलों के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर प्रदान कर रहा है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि वाराणसी खेल प्रेमियों का शहर है। यहां कुश्ती, मुक्केबाजी, नौका–दौड़ और कबड्डी बहुत लोकप्रिय हैं। वाराणसी ने राष्ट्रीय स्तर के कई खिलाड़ी दिए हैं। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, यू0पी0 कॉलेज और काशी विद्यापीठ

जैसे संस्थानों के खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हजारों वर्षों से वाराणसी ज्ञान और कला की खोज में आने वाले लोगों का स्वागत करता आया है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के माध्यम से वाराणसी का देश के खेल नक्शे पर स्थान बनाना शहर के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इससे पूर्व, वाराणसी ने कई महत्वपूर्ण आयोजनों की मेजबानी की है, जिससे स्थानीय लोगों को पर्याप्त अवसर और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला है। 'जी–20' की बैठकें, 'काशी तमिल संगमम्' और 'काशी तेलुगु संगमम्' जैसे सांस्कृतिक उत्सव, 'प्रवासी भारतीय सम्मेलन' और 'शंघाई सहयोग संगठन' की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में वाराणसी का नाम शामिल है। इन उपलब्धियों में यह चैम्पियनशिप और जुड़ रही है। ऐसे आयोजन वाराणसी को बड़े मंचों के लिए एक प्रमुख गन्तव्य के रूप में स्थापित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने चैम्पियनशिप के सभी प्रतिभागियों को टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वाराणसी की धरती से लगाया गया हर स्पाइक, ब्लॉक और प्वॉइन्ट भारत की खेल आकांक्षाओं को और ऊंचा करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विगत 11 वर्षों में प्रत्येक भारतवासी ने देश में नई खेल संस्कृति को पनपते हुए देखा है। प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2014 में 'खेलो इण्डिया' के माध्यम से प्रत्येक भारतवासी के मन में खेल के प्रति सम्मान का भाव पैदा किया है। खेल अब जीवन के सर्वांगीण विकास का माध्यम है। यह प्राचीनकाल से भारतीय मनीषा के उस भाव व्यक्त कर रही है, जिसमें जीवन में सफलता के लिए विभिन्न आयामों में से एक स्वस्थ शरीर को माना गया है। इसके माध्यम से जीवन के सभी आयाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'खेलो इण्डिया', 'फिट इण्डिया मूवमेन्ट', 'सांसद खेल–कूद प्रतियोगिता' तथा प्रत्येक जनपद में बनने वाले खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से पूरा देश नई खेल संस्कृति का अनुभव कर रहा है। उत्तर प्रदेश में 'विधायक खेल–कूद' प्रतियोगिता और ग्रामीण खेल–कूद लीग एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेलों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। आज गाँव से शहर तक तथा ग्रामीण स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिताएं आम नागरिकों के लिए आयोजित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 43 वर्षों के पश्चात यह 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' उत्तर प्रदेश के वाराणसी नगर निगम द्वारा प्रायोजक के रूप में आयोजित की जा रही है। इस पूरे आयोजन के पीछे प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा है। आज देश की 58 टीमें, जिनमें 30 पुरुष टीम और 28 महिला टीम प्रधानमंत्री जी की कर्म साधना की पावन धरा अविनाशी काशी में पधारी हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विजन और दृढ़ इच्छाशक्ति से आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के नए मॉडल का प्रत्येक भारतवासी लाभ प्राप्त कर रहा है। प्रत्येक देशवासी प्रधानमंत्री जी द्वारा दी गयी नए एवं विकसित भारत की संकल्पना का मूर्त रूप से दर्शन कर रहा है। सम्पूर्ण देश ने विगत 11 वर्षों में भारत के समग्र विकास को अपनी आंखों से देखा है। बदलता हुआ नया भारत अपनी विरासत और आधुनिक विकास पर गौरव की अनुभूति कर रहा है। आज समाज के अन्तिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर गरीबी रेखा से उबरकर भारत के नागरिक के रूप में पूरी ऊर्जा के साथ वर्तमान में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश सहित देश में खेल का आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हुआ है। डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम में विकसित अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रधानमंत्री जी के विज़न का परिणाम है। यह सभी सुविधाएं स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत यहां विकसित की गयी है। उत्तर प्रदेश सरकार और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (साई) के बीच एक एम0ओ0यू0 भी यहां सम्पन्न हुआ है। इसके अन्तर्गत अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। एस0ए0आई0 के सान्निध्य तथा प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण तथा नया प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत 08 वर्षों में राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक गाँव में खेल का मैदान, प्रत्येक जनपद में स्टेडियम, प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर एक मिनी स्टेडियम, ग्राम पंचायत और नगर निकाय स्तर पर ओपन जिम का निर्माण सहित खेल–कूद से जुड़ी अनेक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। परिणामस्वरूप ओलम्पिक, कॉमनवेल्थ गेम्स, वर्ल्ड चैम्पियनशिप जैसी प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में प्रदेश के खिलाड़ी देश की टीम में प्रतिभाग कर रहे है। वह देश के लिए पूर्व की तुलना में कई गुना अधिक मेडल भी प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने

खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों से मिलकर उनका मनोबल बढ़ाया तथा प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दीं।

इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम के विभिन्न खेल प्रभागों का अवलोकन किया तथा मौजूद खिलाड़ियों से वार्ता भी की।

उल्लेखनीय है कि 04 से 11 जनवरी, 2026 तक आयोजित होने वाली 72वीं 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' में विभिन्न राज्यों और संस्थानों की 58 टीमों के 1,000 से अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इस टूर्नामेंट में भारतीय वॉलीबॉल में उच्चस्तर की प्रतिस्पर्धा, खेल भावना और प्रतिभा का प्रदर्शन होने की उम्मीद है। वाराणसी में 72वीं 'सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप' की मेजबानी शहर में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और खेल विकास को बढ़ावा देने पर बढ़ते जोर को दर्शाती है। यह महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और खेल पहल प्रमुख राष्ट्रीय आयोजनों के केंद्र के रूप में शहर की प्रतिष्ठा को भी और बढ़ाती है।

कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक तथा वाराणसी के महापौर श्री अशोक तिवारी ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवीन्द्र जायसवाल, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 दयाशंकर मिश्र 'दयालु', खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरीश चन्द्र यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इण्डिया श्री वीरेन्द्र कंवर सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Varanasi Visit 72nd National-Volleyball Championship-04 January, 2026